

★ अर्थशास्त्र से क्या अभिप्राय है?

अर्थशास्त्र : अर्थशास्त्र मानवीय व्यवहार का वह विज्ञान है, जो मनुष्य की असीम इच्छा एवं दुर्लभ साधनों के बीच संबंध स्थापित करता है और जिसका वैकल्पिक प्रयोग होता है।

दुर्लभता : दुर्लभता एक ऐसी स्थिति है जब किसी सामान की मांग अधिक और पूर्ति कम हो।

★ केंद्रीय समस्या क्या उत्पन्न होती है? (3)

केंद्रीय समस्या निम्नलिखित कारणों से उत्पन्न होती है।

(i) मनुष्य की असीम इच्छा : मनुष्य की इच्छाएं अनंत होती हैं, यदि कोई व्यक्ति अपनी एक इच्छा को पूरा करता है तो उसकी दूसरी इच्छा उत्पन्न हो जाती है।

(ii) सीमित साधन : धरती पर संसाधन सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं। जैसे - धरती पर पेट्रोल, कोयला, डीजल इत्यादि सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं।

(iii) वैकल्पिक प्रयोग : संसाधन के अनेक प्रयोग होता है। जैसे - पृथ्वी के अनेक प्रयोग हैं, जैसे - वही, ली, मिठाई, पनीर आदि।

उपभोक्ता किसे कहते हैं ?

उपभोक्ता वह व्यक्ति है जो वस्तु एवं सेवाओं का उपयोग करता है, अधिकतम संतुष्टि प्राप्त करने के लिए।

Ch-1 व्यष्टि - अर्थशास्त्र

• **व्यष्टि - अर्थशास्त्र** : अंग्रेजी भाषा में 'व्यष्टि' को 'माइक्रो' कहा जाता है। व्यष्टि - अर्थशास्त्र केवल एक आर्थिक इकाई की आर्थिक क्रियाओं का अध्ययन करता है; जैसे - एक व्यक्तिगत गृहस्थ की जमन के लिए माँग।

• **समाष्टि - अर्थशास्त्र** : अंग्रेजी भाषा में 'समाष्टि' को 'मैक्रो' कहा जाता है यह संपूर्ण अर्थव्यवस्था के स्तर पर आर्थिक क्रियाओं का अध्ययन करता है। उदाहरण के लिए, यह अर्थव्यवस्था में सभी वस्तुओं तथा सेवाओं की सामूहिक माँग का अध्ययन करता है।

★ व्यष्टि तथा समाष्टि अर्थशास्त्र में अंतर

व्यष्टि - अर्थशास्त्र	समाष्टि - अर्थशास्त्र
(i) → अर्थ : व्यष्टि - अर्थशास्त्र में व्यक्तिगत स्तर पर आर्थिक संबंधों अथवा आर्थिक समस्याओं का अध्ययन किया जाता है जैसे - एक व्यक्तिगत फर्म, एक व्यक्तिगत गृहस्थ अथवा एक व्यक्तिगत उपशीर्षक।	(i) → समाष्टि - अर्थशास्त्र में संपूर्ण अर्थव्यवस्था के स्तर पर आर्थिक संबंधों अथवा आर्थिक समस्याओं का अध्ययन किया जाता है।
(ii) → कीमत निर्धारण : व्यष्टि - अर्थशास्त्र मूल रूप से एक व्यक्तिगत फर्म अथवा उद्योग में उत्पादन तथा कीमत के निर्धारण से संबंधित है। तदनुसार, व्यष्टि - अर्थशास्त्र को संक्षेप में कीमत सिद्धांत कहा जाता है।	(ii) → समाष्टि - अर्थशास्त्र मूल रूप से संपूर्ण अर्थव्यवस्था में कुल उत्पादन तथा सामान्य कीमत स्तर के निर्धारण से संबंधित है। तदनुसार, समाष्टि - अर्थशास्त्र को संक्षेप में आय एवं रोजगार का सिद्धांत कहा जाता है।

iii) → उत्पादन : व्यापक - अर्थशास्त्र के अध्ययन की यह धारणा है कि समष्टि-चर (variables) स्थिर रहते हैं, उदाहरणार्थ जब एक व्यक्तिगत फर्म या उद्योग में उत्पादन तथा कीमत के निर्धारण का अध्ययन किया जाता है तो यह मान लिया जाता है कि कुल उत्पादन स्थिर रहता है।

समष्टि - अर्थशास्त्र के अध्ययन की यह धारणा है कि व्यापक-चर (variables) स्थिर रहते हैं, उदाहरणार्थ जब हम कुल उत्पादन तथा आय के स्तर के निर्धारण का अध्ययन करते हैं तो यह मान लिया जाता है कि आय का वितरण स्थिर रहता है।

i.v) → समस्या : व्यापक - अर्थशास्त्र की समस्याओं के संदर्भ में, जैसे वस्तु कीमत निर्धारण अथवा साधन कीमत निर्धारण की समस्याओं में वादास्पद शक्तियाँ/पुर्ति एवं माँग की, की भूमिका का बहुत महत्व होता है।

समष्टि - अर्थशास्त्र की समस्याओं के संदर्भ में, जैसे बेरोजगारी, निर्धनता तथा मुद्रा - सफीति नीतियों की समस्याओं में सरकारी नीतियाँ (मौद्रिक तथा राजकोषीय नीतियाँ) की भूमिका का बहुत महत्व होता है।

★ वास्तविक अर्थशास्त्र (Positive Economics)

- वास्तविक अर्थशास्त्र भूत, वर्तमान तथा भविष्य के आर्थिक मुद्दों (अथवा आर्थिक व्यवहार) से संबंधित है जिनका तथ्यों तथा आँकड़ों द्वारा अध्ययन किया जा सकता है।

★ वास्तविक कथनों की विशेषताएँ (Characteristics of Positive Statements)

- वास्तविक अर्थशास्त्र से संबंधित अकथनों/कथनों की विशेषताएँ निम्न हैं।